



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 342]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 13, 1982/कार्तिक 22, 1904

No. 342]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 13, 1982/KARTIKA 22, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
अधिसूचना

सं० 265/82- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1982

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
NOTIFICATION
No. 265/82-Central Excises

New Delhi, the 13th November, 1982.

सं० का० नि० 690 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की सब सं० 15 क की उपसद (1) के अन्तर्गत आने वाला और सेलोफेन या विस्कोस फिलामेंट सूत के निर्माण के लिए उत्पादन के कारखाने में प्रयोग किया जाने वाला सेलुलोज जैन्घेट को उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्घाटनीय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट देती है।

G.S.R.690(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts cellulose xanthate, falling under sub-item (1) of the Item No. 15A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and used in the Factory of production for manufacture of cellophane or viscose filament yarn, from the whole of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Act :

Provided that where such use is elsewhere than in the factory of production, the procedure set out in rule 56-A of the Central Excise Rules, 1944, is followed.

[F. No. B. 7/17/82-TR.U]
R.K. CHAKRABARTI, Dy. Secy.

सं० 266/82- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सं० का० नि० 691 (अ).—केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

[फा० सं० बी 7/17/82 टी० आर० यू०]
आर० के० चक्रवर्ती, उप सचिव

प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 191/82 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 5 जून, 1982 की अधिसूचना करने हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मत्र सं० 14 कक की उपमद (2) के अन्तर्गत आने वाले कैप्रोलैक्टम को उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर पर उक्त अधिनियम के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद शुल्क से छूट देती है जितना मूल्य के पन्द्रह प्रतिशत की दर से संगणित रकम से अधिक है।

2 यह अधिसूचना 31 मई, 1983 तक जितने यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी।

[फा० सं० 349/1/14कक/82-टी० आर० यू०]

जितेन्द्र बत्रा, अधीन सचिव

No. 266/82-Central Excises

G.S.R. 691(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 191/82-Central Excises, dated the 5th June, 1982, the Central Government hereby exempts caprolactam, falling under sub-item (2) of Item No. 14AA of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act at the rate specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of fifteen per cent. ad valorem.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of May, 1983.

[F. No. 349/1/14AA/82-TRU]

J. K. Batra, Under Secy.

सं० 267/82—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 692 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 107/81 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 अप्रैल, 1981 को विनिर्दिष्ट करती है।

[फा० सं० 331/1/82-टी० आर० यू०]

No. 267/82-Central Excises

G.S.R. 692(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 107/81-Central Excises, dated the 24th April, 1981.

[F. No. 331/1/82-TRU]

सं० 268/82—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 693 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मत्र सं० 16 के अन्तर्गत आने वाले टायरों (जिनके अन्तर्गत दूध और फ्लैप नहीं है) को, उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना उक्त नियमों के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी अधिसूचना के साथ

परिचित उक्त पहली अनुसूची के अधीन ऐसे टायरों पर उद्ग्रहणीय शुल्क की दर के पचहत्तर प्रतिशत की दर से संगणित रकम से अधिक है।

परन्तु ऐसे टायरों का ऐसे कारखाने में विनिर्माण किया जाता है जो उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 11 के अधीन अनुज्ञापन तथा औद्योगिक उपक्रम है और जिसमें टायरों की निकासी 1 अप्रैल, 1976 को प्रारम्भ होने वाली थी 31 मार्च, 1984 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान पहली बार की जाती है।

परन्तु यह और भी कि इस अधिसूचना में अन्तर्निहित छूट टायरों की ऐसी निकासियों को लागू नहीं होगी जो किसी कारखाने से टायरों की पहली निकासी की तारीख से सात वर्ष का अवधि की समाप्ति के पश्चात की जाती है।

परन्तु यह और भी कि इस अधिसूचना में अन्तर्निहित छूट तकनीकी विकास महाविशालय के विकास अधिकारी द्वारा यथाप्रमाणित टायरों की प्रारम्भिक वार्षिक अनुज्ञापन क्षमता के पचहत्तर प्रतिशत से अतिरिक्त कुल परिमाण तक हूँ किसी वित्तीय वर्ष के दौरान धरेलू उपयोग के लिए टायरों की पहली निकासी के माध्यम से लागू होगी।

परन्तु यह और भी कि इस अधिसूचना में अन्तर्निहित छूट टायरों की ऐसी निकासियों को लागू नहीं होगी जो ऐसे टायरों की निकासियों से अधिक है जिसका, इस अधिसूचना के अधीन छूट की रकम और भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं० 198/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 जून, 1976 या वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 142/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 14 जुलाई 1978 या वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 107/81 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 अप्रैल, 1981 में से सभी या किन्हीं अधिसूचनाओं के अधीन टायरों की निकासियों की वास्तव प्राप्त की गई छूट की रकम का योग, यदि कोई हो, तकनीकी विकास महाविशालय के विकास अधिकारी द्वारा यथाप्रमाणित टायरों की पहली निकासी की तारीख से पूर्व टायरों के विनिर्माण के लिए उक्त कारखाने में संयंत्र और मशीनरी पर किए गए पूंजी विनिर्धान के मूल्य की कुल राशि के पचास प्रतिशत के बराबर है।

स्पष्टीकरण 1— पहली निकासी की तारीख से सात वर्ष की अवधि की संगणना करने के प्रयोजनों के लिए, 1 अप्रैल, 1980 को प्रारम्भ होने वाली और 23 अप्रैल, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि को हिमाव में नहीं लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2— किसी वित्तीय वर्ष के दौरान धरेलू उपयोग के लिए टायरों की पहली निकासी की संगणना करने प्रयोजनों के लिए, ऐसे टायरों को निकासियों की जिन्हें केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 अन्तर्गत उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी अधिसूचना द्वारा उक्त अधिनियम के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय नमस्त उत्पाद शुल्क से छूट प्राप्त है, हिमाव में नहीं लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 3— इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “छूट की रकम” इस अधिसूचना के अध्याय, यथास्थिति पूर्वोक्त अधिसूचना सं० 198/76 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं० 142/78 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं० 107/81 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के तहत होने की दशा में संदेय शुल्क की रकम (जिसके अन्तर्गत उन पर संदेय विशेष उत्पाद शुल्क, यदि कोई हो है) और इस अधिसूचना के अध्याय, यथास्थिति पूर्वोक्त अधिसूचना सं० 198/76 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या अधिसूचना सं० 142/78 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या अधिसूचना सं० 107/81-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधीन विहित रिहायती दर पर टायरों पर सदत शुल्क की रकम (जिसके अन्तर्गत उन पर सदत विशेष उत्पाद शुल्क, यदि कोई है) के बीच का अन्तर होगी।

स्पष्टीकरण 4— स्पष्टीकरण 3 में “संदेय शुल्क की रकम” वह रकम होगी जो इस अधिसूचना के अथवा यथा स्थित पूर्वोक्त अधिसूचना सं० 198/76 के द्वारा उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं० 142/78-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या अधिसूचना सं० 107/81-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के प्रयोजनों के लिए उचित अधिकारी द्वारा अनुमोदित टायरों के निर्धारणीय मूल्य को, इस अधिसूचना के पदशा, यथास्थिति पूर्वोक्त अधिसूचना सं० 198/76-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या अधिसूचना सं० 142/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं० 107/81-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के न होने की वशा में टायरों पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क की दर को लागू करने संगणित की जाए।

स्पष्टीकरण 5— स्पष्टीकरण 4 में निर्धारणीय मूल्य पद से वह मूल्य अभिप्रेत है जो उक्त अधिनियम की धारा 1 के उपबन्धों के अनुसार यथावत किया जाए।

स्पष्टीकरण 6— टायरों के विनिर्माण के लिए मयत्र और मशीनरी पर किए गए पूंजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि का संगणना करने के प्रयोजनों के लिए, उस समय जब ऐसा विनिधान किया गया था। पूंजी विनिधान का प्रकृत मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा, किन्तु ऐसे मयत्र और मशीनरी पर जो टायरों की पहली निकासी की तारीख के पूर्व उक्त कारखाने के स्वामी तोर पर हटा दी गई है या प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिधान का मूल्य अपवर्जित कर दिया जाएगा।

[फा० सं० 331 / 1-82 टी.आर.० यू०]

श्री० लक्ष्मी कुमारन, अव्वर सचिव

No. 263/82 Central Excises

GSR. 693(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts tyres (excluding tubes and flaps) falling under item No. 16 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Act as is in excess of the amount calculated at the rate of seventy-five per cent. of the rate of duty leviable on such tyres under the said First Schedule, read with any notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the said rules and in force for the time being :

Provided that such tyres are manufactured in a factory which is a new industrial undertaking licensed under section 11 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) and from which the clearances of tyres are effected for the first time during the period commencing on the 1st day of April, 1976, and ending with the 31st day of March, 1984 :

Provided further that the exemption contained in this notification shall not apply to clearances of tyres effected after the expiry of a period of seven years from the date of the first clearance of tyres from any factory :

Provided also that the exemption contained in this notification shall apply to first clearances of tyres for home consumption during any financial year only up to a total quantity not exceeding seventy-five per cent. of the initial annual licensed capacity of tyres as certified by the Development Officer of the Directorate-General of Technical Development :

Provided also that the exemption contained in this notification shall not apply to such of the clearances of tyres as are in excess of the clearances of tyres in respect of which the aggregate of the amount of exemption under this notification and the amount of exemption, if any availed in respect of clearances of tyres, under all or any of the notifications of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 198/76 Central Excises, dated the 6th June, 1976 or in the Ministry of Finance

(Department of Revenue) No. 142/78-Central Excises, dated the 14th July 1978, or in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 107/81 Central Excises, dated the 24th April, 1981, equals fifty per cent. of the sum-total of the value of the capital investment made on plant and machinery in the said factory for the manufacture of tyres prior to the date of the first clearance of tyres as certified by the Development Officer of the Directorate-General of Technical Development.

Explanation I.—For the purposes of computing the period of seven years from the date of the first clearance, the period commencing on the 1st day of April 1980, and ending with the 23rd day of April, 1981, shall not be taken into account.

Explanation II.—For the purposes of computing the first clearances of tyres for home consumption during any financial year, the clearances of tyres which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon under the said Act by any notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and for the time being in force, shall not be taken into account.

Explanation III.—For the purposes of this notification, the “amount of exemption” shall be the difference between the amount of duty payable (including special duty of excise, if any payable thereon) but for this notification or the aforesaid notification No. 198/76-Central Excises, or No. 142/78-Central Excises, or No. 107/81-Central Excises, as the case may be, and the amount of duty paid on tyres (including special duty of excise, if any paid thereon) at the concessional rate prescribed under this notification or the aforesaid notification No. 198/76-Central Excises, or No. 142/78-Central Excises, or No. 107/81-Central Excises, as the case may be, respectively.

Explanation IV.—The “amount of duty payable” in Explanation III shall be the amount calculated by applying the rate of excise duty leviable on tyres, but for this notification or the aforesaid notification No. 198/76-Central Excises, or No. 142/78-Central Excise, or No. 107/81-Central Excises, as the case may be, to the assessable value of tyres as approved by the proper officer for the purposes of this notification or the aforesaid notification No. 198/76-Central Excises, or No. 142/78-Central Excises, or No. 107/81-Central Excises as the case may be, respectively.

Explanation V.—The expression “assessable value” in Explanation IV means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the said Act.

Explanation VI.—For the purposes of computing the sum-total of the value of the capital investment made on plant and machinery for the manufacture of tyres, the face value of the capital investment at the time when such investment was made only shall be taken into account but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the said factory or rendered unfit for use prior to the date of the first clearance of tyres, shall be excluded.

[F. No. 331/1/82-TRU]

V. Lakshmi Kumaran, Under Secy.

सं० 269/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सं० फा० नि० 694 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और उन सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व

विभाग) की अधिसूचना सं० 84/82 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1982 को अधिकांश करने हुए, इससे उपायुक्त सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट वर्णन के एलुमिनियम को, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1914 का 1) की पहली अनुसूची की मद्य सं० 27 की उपमद्य, जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, के अन्तर्गत आता है, और जिसका विनिर्माण तत् एलुमिनियम धातु से किसी प्रारम्भिक उत्पादक द्वारा किया जाता है तथा जिसकी एलुमिनियम (नियंत्रण) आदेश, 1970 के अधीन जारी की गई अधिसूचनाओं के साथ पठित तत्समय प्रचलित उक्त आदेश में अन्तर्विष्ट उपबन्धों के अनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा विश्व और प्रयाय के लिए अपेक्षा की जाती है, उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर पर उक्त अधिनियम के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उत्तरे उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट दर से संगणित रकम से अधिक है।

सारणी

क्रम सं०	उप मद्य	वर्णन	दर
1	2	3	4
1. (क) (i)	मिल्लिया जो भारतीय मानक संस्था के विनिर्देश भा० मा० : 4026-1969 के अनुरूप हो।	तीन हजार पचासी प्रति मीटरी टन।	रुपए
2. (क) (i)	बिलेट जो भारतीय मानक संस्था के विनिर्देश भा० मा० : 4026-1969 के अनुरूप हो।	तीन हजार एक सौ पचास प्रति मीटरी टन।	रुपए
3. (क) (ii)	बार छठें जो भारतीय मानक संस्था के विनिर्देश भा० मा० : 4026-1969 के अनुरूप हो।	तीन हजार दो सौ अस्सी प्रति मीटरी टन।	रुपए
4. (क) (ii)	बार के सरिए जो भारतीय मानक संस्था के विनिर्देश भा० मा० : 5484-1969 के अनुरूप हों।	तीन हजार सौ तीस प्रति मीटरी टन।	रुपए

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “प्रारम्भिक उत्पादक” अभिव्यक्ति से उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) के अधीन अनुज्ञात या रजिस्ट्रीकृत ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो बाक्साइट या एलुमिना से एलुमिनियम का उत्पादन करता है।

[फा० सं० 349/1/27/82 टी० आर० यू०]

No. 269/82-Central Excises

G.S.R. 694 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 84/82-Central Excises, dated the 28th February, 1982, the Central Government hereby exempts aluminium of the description specified in column (3) of the Table hereto annexed, falling under the sub-items specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, of Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1914 (1) of 1944), and manufactured by any primary producer from hot aluminium metal, and required by the Central Government to be sold for

supplied in terms of the provisions contained in the Aluminium (Control) Order, 1970 as in force for the time being read with the notifications issued thereunder, from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act at the rate specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table.

TABLE

S. No.	Sub- item	Description	Rate
(1)	(2)	(3)	(4)
1. (a)(i)	Ingot	conforming to the specifications in IS:4026-1969 of the Indian Standard Institution	Rupees three thousand and eighty-five per metric tonne.
2. (a)(i)	Billets	conforming to the specifications in IS: 4026-1969 of the Indian Standards Institution	Rupees three thousand one hundred and twenty-five per metric tonne.
3. (a)(ii)	Wirebars	conforming to the specifications in IS: 4026-1969 of the Indian Standards Institution	Rupees three thousand two hundred and eighty per metric tonne.
4. (a)(ii)	Wire rods	conforming to the specification in IS: 5484-1969 of the Indian Standards Institution	Rupees three thousand three hundred and thirty per metric tonne

Explanation.—For the purposes of this notification, the expression ‘primary producer’ means any person licensed or registered under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) who produces aluminium from bauxite or alumina.

[F. No. 349/1/27/82-TRU]

सं 270/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० लि० 695 (अ) — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 192/81 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 दिसम्बर, 1981 को अधिकांश करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद्य सं० 27 के अन्तर्गत आने वाले एलुमिनियम को, उक्त अधिनियम के अधीन उस पर उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर से उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क को उतनी रकम से छूट देती है जितनी मूल्य के भारतीय प्रतिगत की दर से से संगणित रकम से अधिक है :

परन्तु इस अधिसूचना की कोई बात ऐसे एलुमिनियम को लागू नहीं होगी जिसे भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 269/82 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 13 नवम्बर, 1982 लागू होती है।

[फा० सं० 349/1/27/82 टी० आर० यू०]

No. 270/82-Central Excises

G.S.R. 695 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in

the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 192/81 Central Excises, dated the 3rd December, 1981, the Central Government hereby exempts aluminium, falling under Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act at the rate specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of forty per cent. *ad valorem*

Provided that nothing contained in this notification shall apply to aluminium to which the notification of the Government of India in the Ministry of Finance/ (Department of Revenue) No. 269/82 Central Excises, dated the 13th November, 1982 applies

[F. No. 349/1/27/82-TRU]

सं० 271/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सां० फा० नि० 696 (अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रस्तुत शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 193/81 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 दिसम्बर, 1981 को अधिकांश करने हुए, इसमें उपाबन्ध सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट वर्णन के और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 27 की, उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट, उपर्युक्त के अन्तर्गत आने वाले एलुमिनियम को उक्त अधिनियम के अधीन उस पर उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर में उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क की उतनी रकम से छूट देती है जितनी उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में की तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट दर में प्राणन रकम से अधिक है।

सारणी

क्रम सं०	उपसद	वर्णन	दर
(1)	(2)	(3)	(4)
1. (क)	(1)	किसी अपरिष्कृत रूप में एलुमिनियम जिसके अन्तर्गत मिनीया छड़े बलाक मिले, बिलेट छर्रे और गोलियाँ हैं।	मूल्य का बीस प्रतिशत
2. (क)	(11)	तार की छड़ें	मूल्य का इक्कीस प्रतिशत
3. (क)	(11)	प्राथमिक उत्पादको द्वारा उत्पादित तार के सरिए	मूल्य का इक्कीस प्रतिशत
4. (क)	(11)	अन्य व्यक्तियों द्वारा दो सो पच्चीस रूप प्रति मीटर के उत्पादित तार के सरिए	मूल्य का छब्बीस प्रतिशत
5. (क)	(11)	ऐसी बली वस्तुएँ जो अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं हैं	मूल्य का छब्बीस प्रतिशत
6. (क)	क	अपरिष्कृत और स्केप	मूल्य का बीस प्रतिशत
7. (ख)		निम्नलिखित विनिर्दिष्ट या अर्थात् प्लेट, चादरे वृत्त (ऐसे वृत्तों से भिन्न)	मूल्य का छब्बीस प्रतिशत

(1)	(2)	(3)	(4)
		जिनकी मोटाई 0.56 मिलीमीटर और उससे अधिक है किन्तु 2.00 मिलीमीटर से अधिक नहीं है।	
8. (ख)		वृत्त जिनकी मोटाई 0.56 मिलीमीटर और उससे अधिक है किन्तु 2.00 मिलीमीटर से अधिक नहीं है।	मूल्य का पन्द्रह प्रतिशत
9. (ग)		पणिकाएँ	मूल्य का पच्चीस प्रतिशत।
10. (घ)		पार्श्व और द्युब या बहुविधित पाइप और द्युब से भिन्न हैं।	मूल्य का छब्बीस प्रतिशत।
11. (ङ)		बहुविधित शेष और सेक्शन जिनके अन्तर्गत बहुविधित पाइप और द्युब हैं।	मूल्य का छब्बीस प्रतिशत।
12. (च)		घाघान, सादे, लेकरले पिन या मुद्रित या लेकर पिन और मुद्रित	मूल्य का छब्बीस प्रतिशत।

परन्तु उक्त सारणी के क्रम सं० 2, 3, 7, 8, 9, 10, 11 और 12 में विनिर्दिष्ट और उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में वर्णित किसी वर्णन के एलुमिनियम से निर्मित माल के गन्नाय पर उक्त अधिनियम के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क या गन्नाय शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क का सहाय कर दिया गया है, ऐसे माल के सम्बन्ध में इस अधिसूचना में अन्तर्दिष्ट छूट तभी लागू होगी जब ऐसे किसी अधिकारी का, या महायुक्त उत्पाद-शुल्क कन्ट्रोलर की पवित्र से नोबे का न हो, यह समाधान हो जाता है, कि, यथास्थिति, उक्त उत्पाद-शुल्क या अतिरिक्त शुल्क का सहाय कर अधिसूचना में या भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 193/81 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 दिसम्बर, 1981 में या भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 269/82 तारीख 13 दिसम्बर, 1981 में विनिर्दिष्ट दरों पर कर दिया गया था।

परन्तु यह और कि इस अधिसूचना में अन्तर्दिष्ट कोई बात ऐसे एलुमिनियम को लागू नहीं होगी जिसे भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 269/82 तारीख 13 दिसम्बर, 1982 लागू होती है।

सप्टीकरण इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए प्राथमिक उत्पादक पद से उद्यान (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अधीन अनुज्ञप्त या रजिस्ट्रीकृत कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो बाक्सहाइट या एलुमिना से एलुमिनियम का उत्पादन करता है।

[फा० सं० 349/1/82 (टी आर यू०)]

No. 271/82 Central Excises

G.S.R. 696 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 193/81-Central Excises, dated the 3rd December, 1981, the Central Government hereby exempts aluminium of the description specified in column (3) of the Table hereto annexed and falling under the sub-items, specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, of Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act at the rate specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table.

Table

Sl. No.	Sub-item	Description	Rate
(1)	(2)	(3)	(4)
1. (a)(i)	Aluminium in any crude form including ingots, bars, blocks, slabs, billets, shots and pellets.	Twenty per cent <i>ad valorem</i> .	
2. (a)(ii)	Wire bars	Twenty-one per cent <i>ad valorem</i> .	
3. (a)(ii)	Wire rods produced by primary producers.	Twenty-one per cent <i>ad valorem</i> .	
4. (a)(ii)	Wire rods produced by others.	Rupees two hundred and thirty-five per metric tonne.	
5. (a)(ii)	Castings not otherwise specified.	Twenty-six per cent <i>ad valorem</i> .	
6. (aa)	Waste and scrap.	Twenty per cent <i>ad valorem</i> .	
7. (b)	Manufactures, namely, plates, sheets, circles (other than circles having thickness of and above 0.56 mm. but not above 2.00 mm.) strips, shapes and sections in any form or size, not otherwise specified.	Twenty-six per cent <i>ad valorem</i> .	
8. (b)	Circles having thickness of and above 0.56 mm. but not above 2.00 mm.	Fifteen per cent <i>ad valorem</i> .	
9. (c)	Foils	Twenty-five per cent <i>ad valorem</i> .	
10. (d)	Pipes and tubes other than extruded pipes and tubes.	Twenty-six per cent <i>ad valorem</i> .	
11. (c)	Extruded shapes and sections including extruded pipes and tubes.	Twenty-six per cent <i>ad valorem</i> .	
12. (f)	Containers, plain, lacquered or printed or lacquered and printed.	Twenty-six per cent <i>ad valorem</i> .	

Provided that in respect of goods specified in S.Nos. 2, 5, 7, 8, 9, 10, 11 and 12 of the said Table and manufactured from aluminium of any description mentioned in column (3) of the said Table on which the duty of excise leviable under the said Act or the additional duty leviable under the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) has been paid, the exemption contained in this notification in respect of such goods shall apply only if an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the said duty of excise or the additional duty, as the case may be, had been paid at the rates specified in this notification or in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 193/81-Central Excises, dated the 3rd December, 1981 or in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 264-Customs, dated the 3rd December, 1981.

Provided further that nothing contained in this notification shall apply to aluminium to which the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 269/82, dated the 13th November, 1982, applies.

Explanation.—For the purpose of this notification, the expression "primary producer" means any person licensed or registered under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) who produces aluminium from bauxite or alumina.

[F. No. 249/1/82-TRU]

सं० 272/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सांका० नि० 697(प्र).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 187/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 अक्तूबर, 1978 को अधिकांश करने हुए (नव एलुमिनियम धातु से किमी उत्पादक द्वारा विनिर्मित एलुमिनियम मिश्रणों, तार के मखियों, तार छड़ों और ब्रिडेटों से भिन्न) एलुमिनियम को, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मदद सं० 27 के अन्तर्गत आता है और जिसका एलुमिनियम (नियंत्रण) आदेश, 1970 के अधीन जारी की गई अधिसूचनाओं के साथ पारित तत्काल प्रवृत्त उक्त आदेश में अन्तर्लिखित उपबन्धों के अनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा विक्रय या प्रदाय किया जाता अपेक्षित है, उक्त अधिनियम के अधीन उस पर उद्घरणार्थी उक्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना पूर्वोक्त आदेश में अन्तर्लिखित उपबन्धों के अनुसार समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा, उसके उत्पादक को ऐसे एलुमिनियम के लिए सदेय कीमत के रूप में नियम विक्रय कीमत के आधार पर संगणित, उक्त अधिनियम के अधीन उस पर उद्घरणार्थी उत्पाद-शुल्क से अधिक है।

[का० सं० 349/1/82-टी० आर० यू०]

No. 272/82 Central Excises

G.S.R. 697(F). In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 187/78-Central Excises, dated the 18th October, 1978, the Central Government hereby exempts aluminium (other than aluminium ingots, wire rods, wire bars and billets manufactured by any producer from hot aluminium metal) falling under Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944)

and required by the Central Government to be sold or supplied in terms of the provisions contained in the Aluminium (Control) Order, 1970, as in force for the time being, read with the notifications issued thereunder, from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act, as is in excess of duty of excise leviable thereon under the said Act calculated on the basis of the sale price fixed by the Central Government from time to time, in terms of the provisions contained in the aforesaid Order, as the price payable for such aluminium to the producer thereon.

[F.No. 349/1/82—TRU]

सं० 273/82- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 698(अ)-केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 61/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 मई, 1980 को अधिसूचना करने हुए, निम्न एलुमिनियम धातु से किये उत्पादक द्वारा विनिर्मित एलुमिनियम मिलियों, तार के मखियों, तार छड़ों और बिलेटों को, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 27 के अधिनियम में और जिनका एलुमिनियम (नियंत्रण) अधिनियम, 1970 के अधिनियम द्वारा की गई अधिसूचनाओं के साथ पठित तत्सम प्रवृत्त उक्त अधिनियम में अधिविष्ट उपबन्धों के अनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा विक्रय या प्रदाय किया जाना अपेक्षित है, उक्त अधिनियम के अधीन उक्त उद्घरणों को उत्पाद शुल्क से छूट देती है जितना ऐम सूची के आधार पर संगणित, उक्त अधिनियम के अधीन उद्घरणों उत्पाद शुल्क से अधिक है जो पूर्वाक्त अधिनियम में अधिविष्ट उपबन्धों के अनुसार पद-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा, उनके उत्पादक को ऐम एलुमिनियम मिलियों, तार के मखियों, तार छड़ों और बिलेटों के लिए सदैव कीमत के रूप में निम्न विक्रय कीमत में से एलुमिनियम की मन नमकरण रकम की कटौती करने के पश्चात् जाए।

स्पष्टीकरण.—इस अधिसूचना में, “एलुमिनियम कीमत समकरण रकम” और “उत्पादक” पदों के वही अर्थ होंगे, जो एलुमिनियम (नियंत्रण) अधिनियम, 1970 में हैं।

[फा० सं० 349/1/82 टी० आर० ए०]

आर० के० चक्रवर्ती, उपा सचिव

No. 273/82-Central Excises

G.S.R. 698(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 61/80-Central Excises, dated the 28th May, 1980, the Central Government hereby exempts aluminium ingots, wire rods, wire bars and billets, manufactured by any producer from hot aluminium metal, falling under Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and required by the Central Government to be sold or supplied in terms of the provisions contained in the Aluminium (Control) Order, 1970, as in force for the time being, read with the notifications issued thereunder, from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act, as is in excess of the duty of excise leviable thereon under the said Act calculated on the basis of the value arrived at after deducting the aluminium price equalisation amount from the sale price fixed by the Central Government from time to time in terms of the provisions contained in the aforesaid Order, as the price payable for such aluminium ingots wire rods, wire bars, and billets to the producer thereof.

Explanation:—In this notification, the expressions “aluminium price equalisation amount” and “producer” shall have the same meanings as are assigned to them in the Aluminium (Control) Order, 1970.

[F.No. 349/1/82-TRU]

R.K. CHAKRABARTI, Dy. Secy.

सं० 274/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 699(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 55/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1978 को अधिसूचना करने हुए इससे उपाखण्ड सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 18 की उपमद II(i)(ख) के अधिनियम में और जिनका ऐम सूची के आधार पर संगणित, उक्त अधिनियम के अधीन उक्त उद्घरणों को उत्पाद शुल्क से छूट देती है जितना उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट दर से संगणित रकम से अधिक है।

सारणी

क्रम सं०	वर्णन	दर
(1)	(2)	(3)

1. मूल सूत से उत्पादित टैक्सरीकृत सूत मूल सूत पर उक्त अधिनियम के अधीन तत्सम उद्घरणों शुल्क, यदि उक्त पत्रों की संदाय नहीं कर दिया गया है, घन पांच रुपए प्रति किलो ग्राम।

2. अन्य टैक्सरीकृत सूत —

(क) पालिएमिड (नाइलोन) टैक्सरीकृत सूत—

- | | | |
|-----|---|---------------------------|
| (1) | 38 डेनियर से कम | 63 80 रु० प्रति किलोग्राम |
| (2) | 38 डेनियर और उससे अधिक किन्तु 88 डेनियर से कम | 56 80 रु० प्रति किलोग्राम |
| (3) | 88 डेनियर और उससे अधिक किन्तु 121 डेनियर से कम | 49 80 रु० प्रति किलोग्राम |
| (4) | 121 डेनियर और उससे अधिक किन्तु 165 डेनियर से कम | 42 80 रु० प्रति किलोग्राम |
| (5) | 165 डेनियर और उससे अधिक | 24 60 रु० प्रति किलोग्राम |

(ख) पालीएस्टर टैक्सरीकृत सूत—

- | | | |
|-----|--|---------------------------|
| (1) | 33 डेनियर से कम | 82 00 रु० प्रति किलोग्राम |
| (2) | 33 डेनियर और उससे अधिक किन्तु 82.5 डेनियर से कम | 75 00 रु० प्रति किलोग्राम |
| (3) | 82.5 डेनियर और उससे अधिक किन्तु 110 डेनियर से कम | 68 00 रु० प्रति किलोग्राम |

(1)	(2)	(3)
(4)	110 डेनियर और उससे अधिक	54 00 रु० प्रति किलोग्राम
(ग) अन्य		90 00 रु० प्रति किलोग्राम

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना में—

(क) “मूल सूत” से उक्त पहली अनुसूची की सब सं० 18 की उपसद 2(i) (क) के अन्तर्गत आने वाले वह सूत अभिप्रेत है जिसमें टैक्सवरीकृत सूत तैयार किया गया है

(ख) क्रम सं० 2 में टैक्सवरीकृत सूत का डेनियर नीचे विनिर्दिष्ट रीति से अवधारित किया जाएगा, अर्थात्—

- (1) एक श्रेष्ठ रोल का उपयोग करके तथा यह सुनिश्चित करने हुए कि उसमें कोई छूटने न कि सूत फैलाने के लिए रोल में खोपटने समय खिंचाव ठीक ठीक और बराबर रहे, 90 मीटर सूत नाप कर प्रयोग कर लिया जाएगा,
- (2) तत्पश्चात् 90 मीटर सूत को एक यथार्थमापी तुला पर तोल लिया जाएगा और भार ग्रामों में नोट किया जाएगा,
- (3) तत्पश्चात् ऐसे सूत का डेनियर खण्ड (ii) के अधीन नोट किए गए भार को 100 से गुणा करके परिकलित किया जाएगा,
- (4) प्लाई किए हुए टैक्सवरीकृत सूत की वृत्ता में खण्ड (3) के अधीन परिकलित किए गए डेनियर को उस सूत में की प्लाई की संख्या से भाग दिया जाएगा जिससे कि एकल प्लाई सूत का डेनियर परिकलित किया जा सके।

[फा० सं० 249/18/82-टी आर यू]

No. 274/82-Central Excises

G.S.R. 699(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in super-session of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 55/78-Central Excises, dated the 1st March, 1978, the Central Government hereby exempts textured yarn of the description specified in column (2) of the Table here to annexed and falling under sub-item II(i)(b) of Item No. 18 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act at the rate specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Description	Rate
(1)	(2)	(3)
1.	Textured yarn produced out of base yarn.	The duty of excise for the time being leviable under the said Act on the base yarn if not already paid <i>plus</i> five rupees per kilogram.
2.	Other textured yarn—	
	(a) Polyamide (nylon) textured yarn—	
	(i) below 38.5 deniers	Rs. 63 80 per kilogram

(1)	(2)	(3)
(ii)	38.5 deniers above but below 88 deniers	Rs. 56 80 per kilogram
(iii)	88 deniers and above but below 121 deniers	Rs. 49 80 per kilogram
(iv)	121 deniers and above but below 165 deniers	Rs. 42 80 per kilogram
(v)	165 deniers and above	Rs. 24 60 per kilogram
(b)	Polycster textured yarn—	
(i)	below 33 deniers	Rs. 82 00 per kilogram
(ii)	33 deniers and above but below 82.5 deniers	Rs. 75 00 per kilogram
(iii)	82.5 deniers and above but below 110 deniers	Rs. 68 00 per kilogram
(iv)	110 deniers and above	Rs. 54.00 per kilogram
(c)	Others	Rs. 90.00 per kilogram

Explanation:—In this notifications—

(a) “base yarn” means yarn falling under sub-item II(i)(a) of Item No. 18 of the said First Schedule, from which textured yarn has been produced;

(b) the denier of textured yarn in Serial No. 2 shall be determined in the manner specified below, namely:—

- (i) 90 metres of yarn shall be measured off using a wrap reel ensuring just sufficient tension during reeling to remove the crimp but not to stretch the yarn;
- (ii) The said 90 metres of yarn shall then be weighed on a precision balance and the weight in grams noted;
- (iii) The denier of such yarn shall thereafter be calculated by multiplying the weight noted under clause (ii) by 100;
- (iv) In the case of plied textured yarn, the denier so calculated under clause (iii) shall be divided by the number of plies contained in such yarn so as to arrive at the denier of single ply yarn.

[F.No. 349/1/18/82—TRU]

सं 275/82 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सं० का लि० 700 (अ) :- केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के राजस्व और वणिज्य विभाग की अधिसूचना सं० 131/77 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जून, 1977 को अधिकांश करते हुए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की क्रमशः सब सं० 18 की उपसद III (i) और सं० 18 क (i) के अन्तर्गत आने वाले और इससे उपायय सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के सेल्युलीसी बने सूत और कपास के सूत को, उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर पर उक्त अधिनियम के अधीन उन पर उद्घटनीय उनसे उत्पाद-शुल्क

में छूट देती है जितना उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्वशायी प्रति-
ष्टि में विनिर्दिष्ट दर से संगणित करने में आयेगा ।

सारणी

क्रम सं०	वर्णन	दर (प्रति किलोग्राम)
(1)	(2)	(3)

1. नाइल शीशी रोबत गुच्छियां शन्य
में सेलुलोसी कटा सूत और
कपास का सूत जाड़े एकल
हो या बहु कोल्ट

2. कान रोल गुच्छियों में सेलुलोसी
कटा सूत और कपास का सूत
चाहे एकल हो या बहु कोल्ट —

(क)	20 से अधिक काउन्ट का ,	शून्य
(ख)	20 से अधिक किन्तु 25 से अधिक काउन्ट का ,	20 से अधिक पर 1.5 पैसे प्रति काउन्ट
(ग)	25 से अधिक किन्तु 35 से अधिक काउन्ट का ,	10 पैसे धन 25 से अधिक पर 4 पैसे प्रति काउन्ट ,
(घ)	35 से अधिक किन्तु 45 से अधिक काउन्ट का ;	50 पैसे धन 35 से अधिक पर 8 पैसे प्रति काउन्ट ,
(ङ)	45 से अधिक किन्तु 55 से अधिक काउन्ट का ,	130 पैसे धन 45 से अधिक पर 14 पैसे प्रति काउन्ट ,
(च)	55 से अधिक काउन्ट का	272.5 पैसे धन 55 से अधिक पर 5.5 पैसे प्रति काउन्ट ।

3. क्रम संख्या 1 और 2 में निवि-
ष्ट से भिन्न (सेलुलोसी कटा
सूत और कपास का सूत —

(क)	25 से अधिक काउन्ट का ,	1.5 पैसे प्रति काउन्ट ,
(ख)	25 से अधिक किन्तु 35 से अधिक काउन्ट का ;	40 पैसे धन 25 से अधिक पर 4 पैसे प्रति काउन्ट ,
(ग)	35 से अधिक किन्तु 45 से अधिक काउन्ट का ,	45 पैसे धन 35 से अधिक पर 9 पैसे प्रति काउन्ट ,
(घ)	45 से अधिक किन्तु 55 से अधिक काउन्ट का ,	175 पैसे धन 45 से अधिक पर 15 पैसे प्रति काउन्ट ,
(ङ)	55 से अधिक काउन्ट का	15 पैसे प्रति काउन्ट ;
(च)	55 से अधिक काउन्ट का	6 पैसे प्रति काउन्ट ,

परन्तु —

(i) उक्त सारणी के क्रम सं० 2 से निविष्ट सूत की दशा में,
छूट दफ्तर् होने के अर्थात् सूतों में एक बार होने वाली तत्वशायी
के विकास के लिए सरकार द्वारा स्थापित न होना। इसी कारण
कृत व्यवस्था तत्पश्चात् तत्वशायी या किसी पाउचर पर कय किया जाता
है और ऐसे सूत के लिए तदर्थ ऐसे सहकार सापेक्ष या सबक हाट
बनने की खाते पर बिबे राय बैंक द्वारा किया जाता ।

(ii) ऐसे सूत की दशा में जिस पर गुच्छियों के रूप में सूत को
उपलब्ध छूट का लाभ उठा लिया गया है और जो तत्पश्चात् कति
की लम्बाई से कीरिंग, बोरिंग, रीविंग, बाइरिंग या रीविंग की प्रक्रिया-
ओं में से किसी एक या अधिक प्रक्रियाओं में से गुजरता
है, उक्त अधिनियम के अर्थात् ऐसे सूत पर तदर्थ उल्लेख-सूक्त उक्त सारणी

स्तम्भ (3) में क्रम सं० 3 के सामने उक्त सूत को शान्त विनिर्दिष्ट
दर से संगणित करके होमी जिसमें उक्त अधिनियम के अर्थात् पहले
हो संकेत उल्लेख-सूक्त, यदि कोई हो, घटा दिया जाएगा ;

(iii) उक्त अधिनियम के अर्थात् किसी ऐसे सूत पर कोई और शुल्क
उपलब्ध नहीं होगा जिस पर मादा गाछियों के रूप में सूत का उपलब्ध
छूट का लाभ उठा लिया गया है, यदि वह विनिर्दिष्ट सूत से सपरिवर्तित
करने के लिए इनकी मर्जात पर कोता का दोषा गया है और तत्पश्चात्
सादा गुच्छियों में शान्त किया गया है

(iv) उक्त अधिनियम के अर्थात् ऐसे सूत पर कोई और शुल्क
उपलब्ध नहीं होगा जिस पर शुल्क का उक्त सारणी के स्तम्भ (3)
में क्रम सं० 3 में विनिर्दिष्ट दर पर पहले ही लंबाई कर दिया गया
है और जो ऐसे सूत तत्पश्चात्, कति की लम्बाई से या उसके बिना,
कीरिंग, बोरिंग, रीविंग, बाइरिंग या रीविंग की प्रक्रियाओं में से किसी एक या
अधिक प्रक्रियाओं में से गुजरता हो ;

(v) यदि सादा (नीली) रोल में किसी एकल सूत या बहु-कोल्ट
सूत को तत्पश्चात् पब्लिक प्रदर्शनकर्ता द्वारा, शक्ति की सहायता से या
उसके बिना, बिजली रसाई या समीकरण की प्रक्रियाओं में से गुजारा
जाता है तो उक्त अधिनियम के अर्थात् कोई और शुल्क उपलब्ध नहीं
होगा ;

(vi) माइलीकन सूत पर शुल्क, माइलीकन के पूर्व उनके भार के
अक्षर पर भारित किया जाएगा ।

स्पष्टीकरण - इन अधिनियमों के प्रस्तावों के लिए -

(i) "स्वतंत्र प्रदर्शनकर्ता" का अर्थ विनिर्दिष्ट अधिनियम है जो
शक्ति की सहायता से कपास के सूत के प्रदर्शन में अवलंब
लगा हुआ है ।

(ii) "काउन्ट" से इंग्लिश काउन्ट अभिप्रेत है ।

(iii) जहाँ काउन्ट भिन्नांग से है नहीं, यदि भिन्नांग आधा या
उससे अधिक है तो उसे एक समझा जाएगा और यदि ऐसा
भिन्नांग आधा से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा ।

[क्र० सं० 49/5/18/82-टी धार वृ]

विज्ञापन, पत्र, सचिव

No. 275/82-Central Excises

G.S.R. 700(E).—In exercise of the powers conferred by sub-
rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in super-
session of the notification of the Government of India in the
Department of Revenue and Banking No. 131/77-Central
Excises, dated the 13th June, 1977, the Central Government
hereby exempts cellulosic spun yarn and cotton yarn, falling
under sub-item III(1) of Item No. 18 and No. 18A(1), respectively,
of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944
(1 of 1944) and of the description specified in column (2) of the
Table hereto annexed from so much of the duty of excise leviable
thereon under the said Act at the rate specified in the said First
Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate
specified in the corresponding entry in column (3) of the said
Table.

TABLE

Sl. No.	Description	Rate (per kilogram)
(1)	(2)	(3)
1.	Cellulosic spun yarn and cotton yarn in plain	Nil

(1)	(2)	(3)
(straight) reel hanks, whether single or multiple fold		
2. Cellulosic spun yarn and cotton yarn in cross reel hanks, whether single or multiple fold—		
(a) of counts not exceeding 20;		Nil
(b) of counts exceeding 20 but not exceeding 25;	1.5 paise per count exceeding 20;	
(c) of counts exceeding 25 but not exceeding 35;	10 paise, plus 4 paise per count exceeding 25;	
(d) of counts exceeding 35 but not exceeding 45;	50 paise, plus 8 paise per count exceeding 35;	
(e) of counts exceeding 45 but not exceeding 55;	130 paise, plus 14 paise per count exceeding 45;	
(f) of counts exceeding 55;	272.5 paise, plus 5.5 paise per count exceeding 55.	
3. Cellulosic spun yarn and cotton yarn (other than those referred to in Serial Nos. 1 and 2)—		
(a) of counts not exceeding 25;	1.5 paise per count;	
(b) of counts exceeding 25 but not exceeding 35;	40 paise, plus 4 paise per count exceeding 25;	
(c) of counts exceeding 35 but not exceeding 45;	85 paise, plus 9 paise per count exceeding 35;	
(d) of counts exceeding 45 but not exceeding 55;	175 paise, plus 15 paise per count exceeding 45;	
(e) of counts exceeding 55;	6 paise per count.	

Provided that—

- (i) in the case of yarn referred to in Sl. No. 2 the exemption shall apply subject to the condition that such yarn is

purchased by a registered handloom co-operative society or any organisation set up or approved by the Government for the development of handlooms, and payment for such yarn is made by cheque drawn by such co-operative society or organisation, as the case may be, on its own Bank Account;

- (ii) in the case of yarn which has availed of the exemption available to yarn in hank form and is subsequently subjected to beaming, warping, wrapping, winding, or reeling or any one or more of these processes with the aid of power, the duty of excise payable on such yarn under the said Act shall be the amount calculated at the rate specified in respect of that yarn against Sl. No. 3 in column (3) of the said Table, reduced by the duty of excise under the said Act already paid, if any;
- (iii) no further duty under the said Act shall be leviable on any yarn which has availed of the exemption available to yarn in plain hank form, when wound on cones on doubling machines for conversion into tow-fold yarn and then reeled into plain hanks;
- (iv) no further duty under the said Act shall be leviable on any yarn on which duty has already been paid at a rate specified against Sl. No. 3 in column (3) of the said Table even if such yarn is subsequently subjected to beaming, warping, wrapping, winding or reeling or any one or more of these processes with or without the aid of power;
- (v) if any single yarn or multiple fold yarn in plain (straight) reel is subsequently subjected to processes like bleaching dyeing or mercerising by an independent processor or without the aid of power, no further duty under with the said Act shall be leviable;
- (vi) the duty on sized yarn shall be charged on the basis of its weight before sizing.

Explanation:—For the purposes of this notification—

- (i) "independent processor" means a manufacturer who is engaged exclusively in the processing of cotton yarn with the aid of power.
- (ii) "count" means an English count.
- (iii) where the count is in fraction, then if the fraction is one-half or more, it shall be treated as one, and if such fraction is less than one-half, it shall be ignored.

[F.No. 349/1/18/82-TRU]

J.K. BATRA, Under Secy.